DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 November 2022

भूकंप

❖ संदर्भ

➢ हाल ही में, इंडोनेशिया के जावा के मुख्य द्वीप पर 5.6 तीव्रता के भूकंप से इमारतें ढह गईं और 260 से अधिक लोगो की मृत्यु हो गई तथा सैकड़ों घायल हो गए।

- **मुख्य बिंदु**
- यह देश ज्यादातर भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट और सूनामी की चपेट में आता है, क्योंकि यह प्रशांत बेसिन में ज्वालामुखियों के चाप(आर्क) पर स्थित है और "रिंग ऑफ फायर" के रूप में जाना जाता है।
- यह क्षेत्र लगभग 40,000 किलोमीटर (25,000 मील) तक विस्तृत है और यह वह जगह है जहाँ विश्व के अधिकांश भूकंप आते हैं।

❖ भूकंप के विषय में

- भूकंप पृथ्वी की सतह में विक्षोभ से है।
- यह पृथ्वी के स्थलमंडल में अचानक ऊर्जा मुक्त होने का परिणाम है जिससे भूकंपीय तरंगें उत्पन्न होती है।
- भूकंप तरंग गति की ऊर्जा का एक रूप है जो पृथ्वी की सतह परत के माध्यम से प्रेषित होती है।

- **भूकंप के कारण**
- प्लेट टेक्टोनिक्स के सिद्धांत के अनुसार, पृथ्वी के क्रस्ट और ऊपरी मेंटल बड़ी कठोर प्लेटों से निर्मित होती है जो एक दूसरे के सापेक्ष गति कर सकती हैं।
- प्लेट की सीमाओं के निकट भ्रंशों के संचलन से भूकंप आ सकता है।

- **फोकस और अधिकेंद्र**
- जिस स्थान या बिंदु पर भूकम्पीय तरंगो की उत्पत्ति होती है, फोकस कहलाता है , और धरातल पर स्थित वह स्थान जहाँ भूकम्पीय तरंगे सबसे पहले पहुँचती है अधिकेंद्र (एपीसेंटर) कहलाता है।
- पृथ्वी की सतह पर इसके ठीक ऊपर का बिंदु अधिकेंद्र होता है।

- **भूकंपीय तरंगे**
- भूकंपीय तरंगें ऊर्जा की वह तरंगें हैं जो पृथ्वी के भीतर चट्टान के अचानक विखंडन से उत्पन्न होती हैं।
- वे ऊर्जा हैं जो पृथ्वी के माध्यम से यात्रा करती हैं और सीस्मोग्राफ पर दर्ज की जाती हैं।
- दो मुख्य प्रकार की तरंगें शरीर तरंगें(बॉडी वेव्स) और धरातलीय तरंगें (सरफेस वेव्स) हैं।

- **शरीर तरंगें(बॉडी वेव्स)**
- ये तरंगें पृथ्वी केआंतरिक भाग में गमन करती हैं।
- ये तरंगें कुछ हद तक ध्वनि तरंगों की तरह होती हैं।
- ये सतही तरंगों से तीव्र होती हैं।
  - **पी-तरंगें**
    - यह तीव्र गति से संचरित होती है और यह पृथ्वी के सतह पर सबसे पहले पहुँचती हैं।
    - यह ठोस एवं द्रव दोनों माध्यम में संचरण कर सकती है।
    - ये उच्च आवृत्ति और कम से कम विनाशकारी होती हैं।
  - **एस-तरंगे**
    - ये तरंगे कुछ अंतराल के साथ सतह पर पहुँचती है।
    - यह ठोस माध्यम में संचरण कर सकती है द्रव माध्यम में नहीं ।

- **धरातलीय तरंगें**
  - जब शरीर की तरंगें सतह की चट्टानों के साथ परस्पर क्रिया करती हैं, तो तरंगों का एक नया समूह उत्पन्न होता है जिसे धरातलीय या सतही तरंगें कहा जाता है।
  - ये तरंगें पृथ्वी की धरातल के साथ-साथ संचरण करती हैं।
  - धरातलीय तरंगें भी अनुप्रस्थ तरंगें होती हैं जिनमें कणों की गति तरंग प्रसार के लंबवत होती है।
  - वे पानी की सतह पर ज़िग-जग के समान गति करती हैं।
  - वे अंतिम रूप से सिस्मोग्राफ पर रिपोर्ट करने वाली तरंगे होती है।
  - ये तरंगें अधिक विनाशकारी होती हैं।

बौद्ध धर्म का निंग्मा संप्रदाय

❖ संदर्भ

➢ निंगमा संप्रदाय हिमाचल प्रदेश के स्पीति के एक लड़के को तकलुंग सेतुंग रिनपोछे,जो लद्दाख के तख्तोक मठ में रहते थे के दिवंगत के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

❖ निंगमा संप्रदाय के विषय में

- निंग्मा संप्रदाय, जिसका शाब्दिक अर्थ है "पुरानी व्यवस्था" तिब्बत के सभी बौद्ध संप्रदायों में सबसे प्राचीन है।
- अन्य तीन मुख्य तिब्बती बौद्ध स्कूल, शाक्य, काग्यू और गेलुग, सामूहिक रूप से न्यू ऑर्डर (सरमा) का उल्लेख करते हैं।
- निंग्मा आदेश का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत भारतीय गुरु, पद्मसंभव है, जो आठवीं शताब्दी ई. में तिब्बत आए थे।
- राजा ठिसोंग देउत्सान (742-797) ने पहले महान उपाध्याय, शांतिरक्षित को तिब्बत में बौद्ध धर्म की स्थापना में सहायता करने के लिए आमंत्रित किया था।
- उनकी सलाह पर, राजा ने पद्मसंभव को तिब्बत आमंत्रित किया गया था।
- उन्हें "गुरु रिनपोछे" या "उत्कृष्ट या बहुमूल्यवान गुरु" के रूप में जाना जाता है।
- अब्बोट शांतरक्षित(Abbot Shantarakshita), गुरु पद्मसंभव और राजा ने मिलकर पहले तिब्बती बौद्ध मठ, सम्ये मठ की स्थापना की।
- यह शिक्षा का प्रमुख बौद्ध केंद्र बन गया जहां कई भारतीय बौद्ध ग्रंथों का पहली बार तिब्बती में अनुवाद किया गया था।
- इस संप्रदाय के अनुयायी तिब्बत, भूटान, लद्दाख, सिक्किम और अन्य हिमालयी बौद्ध क्षेत्रों में फैले हुए हैं।

निंग्मा के अनोखे पहलू

- Dzogchen (महान पूर्णता) का अभ्यास। यह दिव्य दर्शन में सर्वोच्च पूर्णता है। यह मूर्ति और थांगखा जैसे दृश्य की सहायता के बिना सीधे मौलिक मन की जांच करना चाहता है।
- टर्मा की परंपरा। मान्यता के अनुसार, पद्मसंभव ने भविष्य के गुरु को खोजने और उपदेश देने के लिए बहुत सारे शास्त्रों को एक अलग स्थान पर छिपा दिया है।

दक्षिण चीन सागर आचार संहिता

❖ संदर्भ

➢ भारतीय रक्षामंत्री ने कहा है कि दक्षिण चीन सागर के लिए आचार संहिता (सीओसी) पर चल रही वार्ता को पार्टी देशों के वैध अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून के साथ असंगत नहीं होना चाहिए।

❖ मुख्य बिंदु

- इसपर कंबोडिया में आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) रक्षामंत्री प्लस बैठक में टिप्पणी की गई थी।
- इस आचार संहिता (सीओसी) का उद्देश्य विवादित जलमार्ग में दक्षिण चीन सागर में संघर्ष के जोखिम को कम करना है जहां चीन के विशाल समुद्री और क्षेत्रीय दावे चार आसियान सदस्य देशों: वियतनाम, मलेशिया, फिलीपींस और ब्रुनेई के साथ टकराते हैं। .
.
- सीओसी का विकास 1992 में हुआ, जब आसियान ने दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय विवादों पर अपना पहला बयान जारी किया।
- 1996 में सीओसी (COC) की अवधारणा का समर्थन किया गया था।
- 2002 में, उन्होंने दक्षिण चीन सागर (डीओसी) में पार्टियों के आचरण पर एक घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिससे यह दक्षिण चीन सागर के मुद्दे पर हस्ताक्षरित पहला राजनीतिक दस्तावेज बन गया।
- इसके मसौदा दिशानिर्देशों को 2011 में अपनाया गया था।
- एक सीओसी को डीओसी का एक उन्नत संस्करण माना जाता है जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की दिशा में एक और कदम उठाएगा।

❖ एडीएमएम प्लस (ADMM Plus) के विषय में

- 9वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (एडीएमएम-प्लस) कंबोडिया के सिएम रीप (Siem reap) में आयोजित की गई थी।
- एडीएमएम प्लस दस आसियान देशों और इसके आठ संवाद भागीदार देशों, भारत, अमेरिका, रूस, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड और दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रियों की एक वार्षिक बैठक (2017 से) है।
- एडीएमएम-प्लस का उद्घाटन 12 अक्टूबर 2010 को हनोई, वियतनाम, में आयोजित किया गया था।
- यह तेजी से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण के बीच आसियान और प्लस देशों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ाने की अनुमति देता है।
- एडीएमएम-प्लस की अध्यक्षता एडीएमएम की अध्यक्षता के पश्चात होती है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 November 2022

म्यावड्डी

❖ **सन्दर्भ**

➢ भारत के विदेश सचिव ने हाल ही में अपनी यात्रा के दौरान म्यांमार के सैन्य जुंटा शासन के सदस्यों के साथ बातचीत की है।

❖ मुख्य बिंदु

- वह सीमा प्रबंधन, मानव तस्करी के मुद्दों और बुनियादी अवसरंचना से सम्बंधित परियोजनाओं पर चर्चा के लिए शामिल हुए।
- इनमें से उन्होंने म्यांमार के म्यावाडी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट द्वारा मानव तस्करी का मुद्दा उठाया जिसमें कई भारतीय नागरिक पकड़े गए हैं।
- पिछले महीने भारत और थाईलैंड के बीच एक संयुक्त अभियान द्वारा उन्हें सुरक्षित किया गया था।

❖ क्यों चर्चा में थे म्यावाडी ?

- म्यावाडी दक्षिणपूर्वी म्यांमार का एक शहर है जो थाईलैंड की सीमा से उत्तर की ओर बहने वाली मोई नदी द्वारा अलग होता है।
- यह शहर म्यांमार और थाईलैंड के बीच सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक बिंदु है।
- विधि प्रवर्तन एजेंसियों को अंतरराष्ट्रीय अपराध में कोविड पश्चात एक नई प्रवृत्ति का सामना करना पड़ रहा है: म्यांमार, कंबोडिया और लाओस में आपराधिक रूप से संचालित क्षेत्रों का प्रसार, और इन अनियंत्रित परिक्षेत्रों में श्रम के लिए मानव तस्करी का विस्फोटजैसे ही पूरे क्षेत्र में महामारी फैल गई, मोई नदी के 40 किलोमीटर के क्षेत्र में नए परिक्षेत्रों के निर्माण में विस्फोट हो गया।

❖ **पृष्ठभूमि**

- महामारी से पहले के वर्षों में, भ्रष्टाचार ने अनियमित क्षेत्रों के विकास का नेतृत्व किया।
- डेवलपर्स द्वारा "विशेष आर्थिक क्षेत्र" के रूप में निर्माण किया गया, वे ऑनलाइन जुआ संचालन के लिए थे और लाखों चीनी जुआरी, पर्यटकों और श्रमिकों को आकर्षित करेंगे।
- कोविड लॉकडाउन के कारण, ये विशाल जुआ केंद्र ध्वस्त हो गए।
- 2021 में चीन ने दक्षिण पूर्व एशिया में अपने कई नागरिकों को स्वदेश लौटने या सख्त दंड का सामना करने के लिए मजबूर करने के लिए एक अभूतपूर्व अभियान शुरू किया।
- इसके जवाब में, गिरोहों ने क्षेत्रों में वैकल्पिक श्रम की बड़े पैमाने पर तस्करी शुरू की और नई धोखाधड़ी योजनाएं विकसित कीं, जो सोशल मीडिया पर संभावित पीड़ितों के साथ व्यक्तिगत संपर्क बनाने वाले बड़ी संख्या में स्कैमर्स पर निर्भर करती हैं।

सँक्षिप्त सुर्ख़ियाँ

गुरु तेग बहादुर

❖ **संदर्भ**

➢ हर वर्ष 24 नवंबर को गुरु तेग बहादुर के शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

❖ **गुरु तेग बहादुर के विषय में**

- गुरु तेग बहादुर का जन्म 21 अप्रैल, 1621 को अमृतसर में हुआ था।
- वह सिख धर्म के दस गुरुओं में से नौवें गुरु थे। गुरु के रूप में उनका कार्यकाल 1665 से 1675 तक रहा था और औरंगजेब उस समय मुगल बादशाह था।
- उन्हें अक्सर सिखों द्वारा 'मानवता के रक्षक' (श्रीष्ट-दी-चादर) के रूप में माना जाता है।
- गुरु तेग बहादुर को बचपन में मार्शल आर्ट, तलवारबाजी और घुड़सवारी का प्रशिक्षण दिया गया था।
- कई लड़ाइयों में अपने पिता के साथ एक सक्षम सैनिक होने के बावजूद,
- ऐसा लगता है कि उन्होंने त्याग और ध्यान का जीवन चुना है।
- उन्होंने नानक की शिक्षाओं का प्रसार करने के लिए व्यापक रूप से यात्रा की।
- उनके एक सौ पंद्रह भजन गुरु ग्रंथ साहिब में हैं।
- उन्होंने पंजाब में चक-ननकी शहर की स्थापना की, जो बाद में पंजाब के आनंदपुर साहिब का हिस्सा

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

बन गया।

- उन्होंने गैर-मुसलमानों के इस्लाम में जबरन धर्मांतरण का विरोध किया।
- वर्ष 1675 में, गुरु तेग बहादुर को मुगल सम्राट औरंगजेब के आदेश के तहत दिल्ली में मार दिया गया था।
- दिल्ली में गुरुद्वारा सीस गंज साहिब और गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब उनके शरीर के निष्पादन और दाह संस्कार के स्थानों को चिह्नित करते हैं।
- उनसे प्रेरित होकर, गुरु गोबिंद सिंह जी ने अंततः सिख समूह को एक अलग, औपचारिक, प्रतीक-पैटर्न वाले समाज में बनाया जो खालसा (मार्शल) के रूप में जाना जाने लगा।
- उनकी शहादत को हर वर्ष 24 नवंबर को गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस के रूप में याद किया जाता है।

अग्नि-3

❖ **संदर्भ**

➢ हाल ही में, भारत ने ए.पी.जे.अब्दुल कलाम द्वीप उड़ीसा से अग्नि-3 इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया है।

❖ **मुख्य बिंदु**

- इस सफल परीक्षण सामरिक बल कमांड के तत्वावधान में किए गए नियमित उपयोगकर्ता प्रशिक्षण लॉन्च का हिस्सा था।
- यह लॉन्च एक पूर्व निर्धारित सीमा के लिए किया गया था और सिस्टम के सभी परिचालन मापदंडों को मान्य किया गया था।

❖ **अग्नि-3 के विषय में**

- अग्नि-3, अग्नि मिसाइल श्रृंखला में तीसरा प्रवेशक है और इसका पहला परीक्षण 9 जुलाई, 2006 को किया गया था।
- लेकिन इसमें तकनीकी खराबी आ गई और यह लक्ष्य को भेदे बिना ओडिशा तट से दूर समुद्र में गिर गया।
- यह मिसाइल परमाणु आयुध ले जाने और 3,500 किलोमीटर दूर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है।
- मिसाइल की स्ट्राइक रेंज 1,000 किमी और 2,000 किमी के बीच है।
- सर्कुलर एरर संभावित (सीईपी) की अपनी उच्च श्रेणी के कारण, अग्नि-3 मिसाइल को विश्व की सबसे सटीक रणनीतिक बैलिस्टिक मिसाइल के रूप में जाना जाता है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध

❖ **संदर्भ**

➢ ओमान की सल्तनत द्वारा 24 और 25 नवंबर 2022 को मस्कट, ओमान में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) पर तीसरे उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन की मेजबानी की जा रहा है।

❖ **मुख्य बिंदु**

- केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्यमंत्री सम्मेलन में प्रतिभाग कर रहे हैं।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर एएमआर से निपटने में तीव्रता लाना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना है।
- विषय (थीम): 'द एएमआर पैनडेमिक: फ्रॉम पॉलिसी टू वन हेल्थ एक्शन' (The AMR Pandemic:

From Policy to One Health Action)।

❖ **रोगाणुरोधी प्रतिरोध के विषय में**

- रोगाणुरोधी - एंटीबायोटिक्स, एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीपैरासिटिक्स सहित - मनुष्यों, जानवरों और पौधों में संक्रमण को रोकने और उनका उपचार करने के लिए उपयोग की जाने वाली दवाएं हैं।
- रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी समय के साथ परिवर्तित होते हैं और दवाओं का जवाब नहीं देते हैं जिससे संक्रमण का इलाज करना कठिन हो जाता है और बीमारी फैलने, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।
- दवाओं के प्रतिरोध के परिणामस्वरूप, एंटीबायोटिक्स और अन्य रोगाणुरोधी दवाएं अप्रभावी हो जाती हैं और संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या असंभव हो जाता है।

आर्थिक सहयोग संगठन और विकास (ओईसीडी)

Organisation of Economic Co-Operation and Development

❖ **संदर्भ**

➢ हाल ही में, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था 2023 में मंदी से बचने के लिए ट्रैक पर है, लेकिन 1970 के दशक के बाद से सबसे खराब ऊर्जा संकट एक तीव्र मंदी को ट्रिगर करेगा, यूरोप युद्ध के दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित यूक्रेन में होगा।

❖ **मुख्य बिंदु**

- ओईसीडी की स्थापना 14 दिसंबर, 1960 को 18 यूरोपीय देशों, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा द्वारा की गई थी।
- इस संगठन का मुख्यालय चेटो डे ला मुएट पेरिस, फ्रांस में है।
- यह 38 सदस्य देशों का एक समूह है जो आर्थिक और सामाजिक नीतियों पर चर्चा और विकास करता है।
- ओईसीडी के सदस्य आम तौर पर लोकतांत्रिक देश हैं जो मुक्त बाजार अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं।
- अधिकांश ओईसीडी सदस्य उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाएं हैं जिनमें बहुत अधिक मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) है और उन्हें विकसित देशों के रूप में माना जाता है।
- ओईसीडी सदस्य देशों में सामूहिक रूप से 2017 में क्रय शक्ति समानता पर वैश्विक नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (49.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) का 62.2% और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (54.2 ट्रिलियन डॉलर) का 42.8% शामिल था।
- ओईसीडी का घोषित लक्ष्य उन नीतियों को आकार देना है जो सभी के लिए समृद्धि, समानता, अवसर और कल्याण को बढ़ावा देती हैं।
- ओईसीडी संयुक्त राष्ट्र का एक आधिकारिक स्थायी पर्यवेक्षक है और इसे थिंक-टैंक या निगरानी समूह के रूप में जाना जाता है।
- भारत कई गैर-सदस्य अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जिसके साथ ओईसीडी के सदस्य देशों के अलावा कार्य संबंध हैं।

आईएनएस मंजुला

❖ **संदर्भ**

➢ » शालीमार शिपयार्ड ने एक नौका शिल्प, आईएनएस मंजुला का शुभारंभ किया है।

❖ **मुख्य बिंदु**

- फेरी क्राफ्ट का उद्देश्य लंगरगाह में जहाजों से कर्मियों को लाना और ले जाना, आपात स्थिति में जहाजों को राशन और स्टोर पहुंचाना और बंदरगाह सीमा के भीतर गश्त करना है।
- शालीमार शिपयार्ड 135 वर्ष पुराना है, जो हावड़ा, पश्चिम बंगाल में स्थित है। इसकी स्थापना टर्नर मॉरिसन ने 1885 में की थी।
- यह अपने उत्कर्ष के दौरान पूरे पूर्वी तट पर एक प्रमुख जहाज-मरम्मत इकाई थी। 1980 में पश्चिम बंगाल सरकार ने इसे अपने कब्जे में ले लिया। यह अब कंपनी को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है।

जीएसटीएन

❖ **संदर्भ**

➢ यह खाता एग्रीगेटर अवसरंचना के अंतर्गत वित्तीय सूचना प्रदाता (FIP) के रूप में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (GSTN) को शामिल करने का निर्णय लिया गया है।

❖ **मुख्य बिंदु**

- राजस्व विभाग इस विशिष्ट उद्देश्य और जीएसटी रिटर्न के लिए जीएसटीएन का नियामक होगा।
- यह विनियमित संस्थाओं को व्यक्तिगत सहमति से जीएसटी डेटा तक पहुंचने और एमएसएमई को नकदी प्रवाह-आधारित ऋण देने की सुविधा प्रदान करेगा।
- गुड्स एंड सर्विस टैक्स नेटवर्क (या GSTN) एक गैर-लाभकारी, गैर-सरकारी संगठन है।
- यह जीएसटी पोर्टल की संपूर्ण आईटी प्रणाली का प्रबंधन करता है। सरकार इस पोर्टल का उपयोग प्रत्येक वित्तीय लेनदेन को ट्रैक करने और करदाताओं को सभी सेवाएं प्रदान करने के लिए करती है - पंजीकरण से लेकर कर दाखिल करने और सभी कर विवरणों को बनाए रखने तक।
- GSTN की अधिकृत पूंजी 10 करोड़ रुपये है। निजी पार्टनर - एचडीएफसी (10%), एचडीएफसी बैंक (10%), आईसीआईसीआई बैंक (10%), एनएसई सामरिक निवेश कंपनी (10%) और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (11%) के साथ जीएसटीएन में 51% हिस्सेदारी रखते हैं।
- सरकार के पास शेष 49% शेयर हैं जो केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समान रूप से विभाजित हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare